नाम..... पृष्ठों की कुल संख्या- 5

अनुक्रमांक.....

103 **301(ZS)**

2026

संस्कृत

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] **[पूर्णांक :100**

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. अधोलिखित गद्य-खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत में दीजिए: ***5×2=10***

अत्रान्तरे कंचुकी समागत्य महाश्वेताम् अवोचत्- "आयुष्मति, देवः चित्ररथः देवी च मदिरा त्वां द्रष्टुम् आह्वयतः" इति। इत्येवम् अभिहिता गन्तुकामा महाश्वेता "सखि ! चन्द्रापीडाः क्वास्ताम्?" इति कादम्बरीम् अपृच्छत्। असौ तु "सखि महाश्वेते, किमेवम् अभिदधासि ? दर्शनादारभ्य शरीरस्याप्ययमेव प्रभुः किमुत भवनस्य विभवस्य परिजनस्य वा-यत्रास्मै रोचते प्रियसखीहृदयाय वा, तत्र अयम् आस्ताम्" इत्यवदत्। तत् श्रुत्वा महाश्वेता "तत् अत्रैव त्वत्प्रासादसमीपवर्तिनि प्रमदवने क्रीडापर्वतकमणिवेश्मनि आस्ताम्" इत्यभिधाय, गन्धर्वराजं द्रष्टुं ययौ। चन्द्रापीडोऽपि तयैव सह निर्गत्य, केयूरकेण उपदिश्यमानमार्गः, मणिमन्दिरम् अगात्।

(i) उपर्युक्त गद्यांशस्य पुस्तकं लेखकं च नाम लिखत।

(ii) रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(iii) चन्द्रापीडः केयूरकेण उपदिश्यमानमार्गः कुत्र अगात्?

(iv) महाश्वेता काम् अभाषत्।

(v) कः समागत्य महाश्वेताम् अवोचत्?

अथवा

चन्द्रापीडस्तु तदवस्थां चित्ररथतनयाम् आलोक्य निपुणालापेन अपृच्छत्- "देवि! जानामि कामरतिं निमित्तीकृत्य प्रवृत्तोऽयं व्याधिः। कुसुमेषु पीडया पतितां त्वाम् अवेक्ष्य दूयते मे हृदयम्। इच्छामि' देहदानेनापि स्वस्थाम् अत्र भवतीम् कर्तुम्" इति।

(i) अस्य गद्यांशस्य प्रणेता कः?

(ii) का चित्ररथकन्या ?

modelpaper.info

(iii) रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(iv) चन्द्रापीडः कस्य तनयाम् आलोक्य अपृच्छत ?

(v) 'अवेक्ष्य' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

2. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र चित्रण कीजिये – 4

(अधिकतम 100 शब्द)

(i) शूद्रक

(ii) कपिञ्जल

(iii) पत्रलेखा

3. अपनी पाठ्य-पुस्तक के आधार पर चन्द्रापीडकथा का सार लिखिए। 4

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) चन्द्रापीडस्य सेविकायाः किं नाम ? 1

(i) मदिरा (ii) पत्रलेखा

(iii) विलासवती (iv) मदलेखा

(ख) पुण्डरीकस्य कपिञ्जलः कः आसीत् ? 1

(i) शत्रुः (ii) मित्रम्

(iii) मित्रः (iv) न शत्रुः न मित्रः

5. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए : 2+5=7

(क) अथैकधेनोरपराधचण्डाद् गुरोः कृशानुप्रतिमाद्बिभेषि ।
शक्योऽस्य मन्युर्भवता विनेतुम् गाः कोटिशः स्पर्शयता घटोघ्नीः ।।

अथवा

(ख) तस्मिन् क्षणे पालयितुः प्रजाना- मुत्पश्यतः सिंहनिपातमुग्रम् ।
अवाङ्मुखस्योपरि पुष्पवृष्टिः पपात विद्याधरहस्तमुक्ता ।।

6. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए : 2+5=7

(क) संरुद्धचेष्टस्य मृगेन्द्र ! कामं हास्यं वचस्तद् यदहं विवक्षुः ।
अन्तर्गतं प्राणभृतां हि वेद सर्वं भवान् भावमतोऽभिधास्ये ।।

अथवा

(ख) स नन्दिनीस्तन्य मनिन्दितात्मा सद्वत्सलो वत्सहुताव शेषम्।
पपौ वशिष्ठेन कृताभ्यनुज्ञः शुभ्रं यशो भूर्तमिवातितृष्णः ।।

7. महाकवि कालिदास की काव्य-शैली को अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

8. अधोलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए :

(क) रघुवंशमहाकाव्यस्य रचयिता कः? 1

modelpaper.info

(i) वाल्मीकिः (ii) माघः

(iii) कालिदासः (iv) वेदव्यासः

(ख) महाराजदिलीपस्य भार्या का? 1

(i) सुदक्षिणा (ii) भानुमती

(iii) इन्दुमती (iv) सविता

9. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

(क) अस्मान् साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्चैः कुलं चात्मन-
स्त्वय्यस्याः कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम् ।
सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृश्या त्वया
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद् वाच्यं वधूबन्धुभिः ॥

अथवा

(ख) भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी
दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य।
भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं
शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन् ॥

10. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए : 2+5=7

(i) अतिस्नेहः पापशङ्की।

(ii) अर्थो हि कन्या परकीय एव।

(iii) गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति ।

11. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अङ्क के आधार पर दुर्वासा शाप का वर्णन संक्षेप में कीजिए।
(अधिकतम 100 शब्द) 4

12. अधोलिखित में से सही उत्तर के विकल्प चुनिए :

(क) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' कितने अंकों में आबद्ध है? 1

(i) तीन (ii) सात

(iii) पाँच (iv) चार

(ख) शकुन्तलायै शापं कः अददात्? 1

(i) दुर्वासा (ii) कण्वः

(iii) मारीचः (iv) विश्वामित्रः

13. अधोलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों में संस्कृत में निबन्ध लिखिए : 10

(i) सत्सङ्गतिः

(ii) पर्यावरण-सुरक्षा

(iii) विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्

modelpaper.info

(iv) परोपकारः

14. 'उपमा' अलंकार को हिन्दी अथवा संस्कृत में परिभाषित कीजिए। **2**

अथवा

'रूपक' अलंकार का उदाहरण संस्कृत में लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: **4×2=8**

(i) गाँव के चारों ओर समुद्र है।

(ii) संस्कृत कवियों में भारवि श्रेष्ठ हैं।

(iii) गणेश को नमस्कार है।

(iv) विद्यालय के चारों ओर मार्ग हैं।

(v) शिव को नमस्कार है।

(vi) मोहन पैर से लंगड़ा है।

16. (क) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में विभक्ति सम्बन्धी नियम-निर्देश का उल्लेख कीजिए : 2

(i) **मर्कटात्** विभेति।

(ii) **विप्राय** धनं ददाति ।

(iii) **कृष्णाय** मोदकं रोचते।

(ख) **'छात्राय' ओदनं रोचते-** यहाँ रेखाङ्कित पद में कौन-सी विभक्ति है? 1

(i) पञ्चमी (iii) सप्तमी

(ii) चतुर्थी (iv) द्वितीया

17. (क) निम्नलिखित समस्त पदों में से किसी एक पद का विग्रह कीजिए: 2

(i) उपकृष्णम्

(iii) पञ्चगवम्

(ii) उपगङ्गम्

(ख) 'अधिहरि' में प्रयुक्त समास का नाम है : 1

(i) अव्ययीभाव (ii) कर्मधारयः

(iii) द्वन्द्वः (iv) तत्पुरुषः

18. (क) 'सत्कारः' का सन्धि विधायक सूत्र लिखिए। 2

(ख) **'वागीशः'** का सन्धि-विच्छेद है : 1

(i) वाग् + ईशः (ii) वाक् + ईशः

(iii) वा + गीशः (iv) वाक् + इशः

19. (क) **'गृहात्' पद किस विभक्ति एवं वचन में प्रयुक्त है?** 2

(ख) **'जगतः' पद में कौन-सी विभक्ति एवं वचन है:** 1

modelpaper.info

(i) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(ii) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन

(iii) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(iv) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

20. (क) **'लभामहे' किस पुरुष एवं वचन में प्रयुक्त है?** 2

(ख) **'शी' धातु लट्लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन में है:** 1

(i) शेते (iii) शयाते

(ii) शये (iv) शेवहे

21. (क) 'दानम्' पद में प्रकृति तथा प्रत्यय का उल्लेख कीजिए। **2**

(ख) 'पच्' धातु में 'ण्वुल्' प्रत्यय लगाने पर रूप बनता है: 1

(i) पाचकः (iii) पाकः

(ii) पावकः (iv) पाचः

22. अधोलिखित वाक्यों में से किसी एक का वाच्य-परिवर्तन कीजिए: **2**

(i) तेन पुस्तकं पठ्यते।

(iii) बालकः धावति।

(ii) कृषकः जलं पिबति।

modelpaper.info